योजना विभाग शीघ्र करायेगा सर्वे

सासाराम से आरा, बिहटा होते पटना को नया फोर लेन

➲ दानापुर छावनी एरिया के दक्षिण से बेली रोड में मिलाने का भी है प्रस्ताव

संवाददाता ▷ पटना

केंद्र से सैद्धांतिक स्वीकृति मिलने पर सासाराम से आरा स्टेट हाईवे को पटना तक नये एलायनमेंट पर फोर लेन सड़क निर्माण को लेकर कवायद शुरू हुई है. नये एलायनमेंट के तहत सासाराम से आरा फोर लेन सड़क को आरा के दक्षिण से एक नया बाइपास बनाकर पटना-बक्सर बननेवाले फोर लेन में बिहटा के समीप उसे जोड़ने की योजना है. बिहटा से मनेर होते हुए दानापुर सैनिक छावनी एरिया के दक्षिण से नया बाइपास बनाकर उसे बेली रोड में मिलाने का भी प्रस्ताव है. नये एलायनमेंट होकर फोर लेन बनने पर सासाराम से पटना लगभग 160 किलोमीटर आने के लिए एक अतिरिक्त सड़क होने से आवागमन की सुविधा बढ़ेगी. नयी फोर लेन को लेकर पथ निर्माण विभाग शीघ्र सर्वे का काम शुरू करनेवाली है. सर्वे के लिए एजेंसी की तलाश होगी. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पथ निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में सासाराम से आरा प्रस्तावित फोर लेन सड़क को बिहटा, मनेर, दानापुर होते हुए पटना तक बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की थी. विभाग के अधिकारियों को इस एलायनमेंट पर सर्वे करने के संबंध में कहा गया था. विभाग नये एलायनमेंट को लेकर शीघ्र सर्वे का काम करायेगा. इसके लिए कंसलटेंट एजेंसी की तलाश के लिए प्रक्रिया शुरू होगी.

सासाराम-आरा सड़क को एनएच की मिली सैद्धांतिक स्वीकृति : स्टेट हाईवे संख्या 12 सासाराम से आरा सड़क को केंद्र ने एनएच में तब्दील करने को लेकर सैद्धांतिक स्वीकृति दी है. 90 किलोमीटर सासाराम-आरा सड़क को फोर लेन बनाने का प्रस्ताव है. इस सड़क को बढ़ाकर आरा से बिहटा होते हुए मनेर, दानापुर होकर पटना तक फोर लेन बनाने की योजना पर काम होना है. वर्तमान में दानापुर शहर होकर बिहटा तक सड़क है. लेकिन चौड़ी सड़क नहीं होने से दानापुर शहर में जाम की समस्या बनी रहती है.

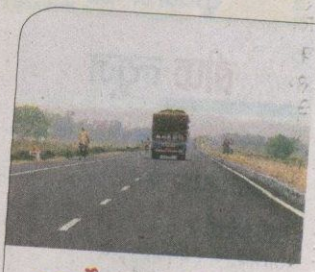

● **सर्वे प्रारंभ करने पर विचार:** पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव ने कहा कि सासाराम-आरा सड़क को एनएच में तब्दील करने की केंद्र ने सैद्धांतिक स्वीकृति दी है. उसे बढ़ा कर बिहटा, मनेर, दानापुर शहर होकर पटना तक नयी सड़क निर्माण को लेकर सर्वे प्रारंभ करने पर विचार हो रहा है.

गांधी सेतु

पुनर्निर्माण समय पर पूरा करने का निर्देश

पटना. सड़क मंत्रालय के अपर महानिदेशक बीएन सिंह ने बुधवार को गांधी सेतु के पुनर्निर्माण को लेकर हो रहे काम का निरीक्षण किया. अपर महानिदेशक लगभग दो घंटे तक वहां रहे और सभी पहलुओं की जानकारी ली. उन्होंने एजेंसी एफकॉन्स को अगले साल दिसंबर तक पश्चिमी लेन का काम पूरा करने का निर्देश दिया. अपर महानिदेशक सुबह साढ़े दस बजे गांधी सेतु पहुंचे और पहले ऊपरी हिस्से में चल रही कटिंग कार्य को देखा. इसके बाद हाजीपुर साइड से सेतु के नीचे जाकर भी हो रही कटिंग के लिए की गयी व्यवस्था का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव अमृत लाल मीणा, सेतु की देखरेख कर रहे कार्यपालक अभियंता सुनील कुमार सिंह, एफकॉन्स एजेंसी के बिजनेस हेड अखिल गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे.